

परिगृहीतर (von ग्रह् mit परि) nom. ag. der Beistand leistet (suited for command Muir) VĀJU-P. bei Muir, Sanscrit Texts, I, 31, N. 56, 2. — Vgl. die grammatisch richtige Form परिग्रहीतर.

परिगृहीति (wie eben) f. das Zusammenfassen: सर्वस्य वाचः सर्वस्य ब्रह्मणः परिगृहीत्यै Ait. Br. 2, 15. 30. 5, 30. TS. 7, 3, 4, 12. PĀNĪAV. Br. 18, 11, 3. 4. 6, 16.

परिगृह्यवत् adj. das Wort परिगृह्य (absol.) enthaltend TS. 5, 4, 6, 3.

परिगृह्या (von ग्रह् mit परि) f. Weib (die man heimführt) ÇABDAK. im ÇKDā.

परिग्रह (wie eben) m. P. 3, 3, 47, Sch. 1) das Umfassen, Umspannen: काण्ठश्लेषपरिग्रहे PĀNĪAV. IV, 7. (यूपै) वाङ्मयामपरिग्रहे R. 1, 13, 25. परिग्रहार्थेयि Nir. 1, 7, 5, 22. das Umfassen, Einschliessen in übertr. Bed.: बहुवचनमनुक्तताद्धितपरिग्रहार्थम् Sch. zu P. 4, 1, 76. 2, 2, 26. 3, 2, 11, 2, 4, 3, 68. 5, 1, 95. 6, 1, 170 (Bd. II). अन्त इति परिग्रहपेक्षया समाप्तिरुच्यते 2. 1, 6. condr. Einfassung (der Vēdi, पूर्व und उत्तर, durch je drei gezogene Linien oder Furchen) ÇĀT. Br. 1, 2, 5, 11. figg. 2, 6, 1, 12. KĀTJ. ÇĀ. 2, 6, 25. 5, 8, 6, 25. GṚHJA-SAMĀGR. 2, 75; vgl. परिग्रह. — 2) das Umlegen, Anlegen, Aufsetzen, Annehmen (einer Gestalt, eines Körpers): चीर° R. 2, 37 in der Unterschr. मौलि° RAGH. 18, 37. मूर्त्यन्तरपरिग्रह (sic) TRIK. 3, 3, 36. स्वेच्छया शरीरपरिग्रहं करोति KULL. zu M. 1, 6. bildlich: मान° so v. a. Unwillen an den Tag legen AMAR. 92. — 3) das Zusammenfassen, Zusammenhalten; condr. Summe: पशूनाम् ÇĀNĪKH. Br. 13, 2. परिग्रहेण तानि चतुर्विंशतिः ÇR. 15, 8, 17. प्रकल्प्या तैर्वृत्तिः स्वकुटुम्बाद्यर्थार्कतः। शक्तिं चावेद्य दत्तं च भृत्यानां च परिग्रहम् (पुत्रदारदिभर्तव्यपरिमाणम् KULL.) M. 10, 124. प्रक्रिया प्रथमः पादः कथावस्तुपरिग्रहः VĀJU-P. in Verz. d. Oxf. H. 50, a, N. 1. — 4) das Ergreifen, in-die-Hand-Nehmen, Anfassen P. 1, 4, 65. बाष्पानाम् R. 6, 69, 32. आसनरज्जु° RAGH. 9, 46. कृतकुश° PĀNĪAV. 163, 15. — 5) Annahme, das in-Empfang-Nehmen: अर्घ्यपरिग्रहान्ते RAGH. 13, 70. रत्न° MBH. 2, 1806. क्रियतामासनपरिग्रहः so v. a. nimm Platz MĀLAY. 13, 11. कृतासनपरिग्रहं KUMĀRAS. 6, 53. RĪĀA-TAR. 1, 2 14. Bhāg. P. 1, 13, 5, 8, 16, 3. MĀRK. P. 72, 29. आज्ञादान, आज्ञापरिग्रहं RĪĀA-TAR. 5, 3. तत्संमतानामपरिग्रहेण Bhāg. P. 4, 22, 23. ohne Ergänzung Entgegennahme von Gaben MBH. 14, 1029. (द्विजातयः) यज्ञाध्ययनन्त्याश्च विरताश्च परिग्रहात् R. 1, 6, 14. अ° (st. dessen यात्रद्वयपरिग्रहं die Annahme von nur so viel, als man bedarf, Bhāg. P. 3, 28, 4) das Zurückweisen aller Gaben ĀRUN. Up. in Ind. St. 2, 180. GAUDAP. zu SĪMĀHJAK. 23. PRAB. 8, 18. 88, 8. Vedāntas. (Allah.) No. 128. adj. ketnerlet Gaben annehmend ĒĀB. Up. in Ind. St. 2, 76. Bhāg. 6, 10. राज्ञः परिग्रहे (v. l. für प्रतिग्रहे) ऽयम् dies ist ein Geschenk des Königs ÇĀK. 17, 5. — 6) das Entnehmen, Hñübernehmen: तथापि स्मृत्यन्तराद्विशेषपरिग्रहः KULL. zu M. 2, 59. — 7) das Erlangen, in-Bestiz-Gelangen, sich-Verschaffen; Besitz, Besitzthum; = आदान AK. 3, 4, 24, 239. = संग्रह H. an. 4, 340. = स्वीकार MED. h. 32. सुवर्णत्रयताम्रादिधातूनां च परिग्रहं करोति MĀRK. P. 68, 10. 13. 17. तस्मात्परिग्रहे भूमेर्यत्ते कुरुपाण्डवाः MBH. 6, 382. बल° R. GORR. 1, 7, 7. पशुमारेभे कृत्वा द्रव्यपरिग्रहम् 40, 23. अर्थ° Besitz von Geld 5, 43, 6. गृह्णी° RAGH. 10, 19. स तथा चित्तयन्दीनां देव्या धर्मपरिग्रहम् R. 5, 51, 22. प्राण° der Besitz der Lebensgetster, das Leben Spr. 1229. विकृपाग्निपरिग्रहम् den Besitz eines eigenen Feuers aufgebend PĀNĪAV.

169, 5. परिग्रहं परित्यज्य allem Besitz (oder aller Entgegennahme von Gaben) entsagend MBH. 3, 13995. 12, 197. fg. त्यक्तसर्वपरिग्रहं Bhāg. 4, 21. त्यक्तभोगपरिग्रहाः R. GORR. 2, 33, 18. वनमभ्यागतो घोरमिदं तव परिग्रहम् so v. a. der dir gehört MBH. 3, 412. वनात्तरम् — अन्तर्ग्रहपरिग्रहम् VIKR. 112. कस्य गुप्तः परिग्रहः MBH. 1, 6451. नैया (वाराणसी) मनुष्यभोग्येति प्रूलपाणेः परिग्रहः MĀRK. P. 8, 4. यास्पति च जनाः सर्वे सगो-कुलपरिग्रहाः mit ihren Heerden und ihrer Habe HARIV. 4390. परिग्रहाश्च विषया दोषप्राप्ताः, परिग्रहं पुंभं धर्मम् 11893. fg. वक्रशस्त्र° (सैन्य) im Besitz seiend von, versehen mit MBH. 6, 3317. सर्वातोद्य° 13, 1174. चिन्तितोपस्थिताग्नेयकृपाणैक° VID. 78. प्रमदा° Bhāg. P. 4, 27, 3. शरीर-मात्र° 5, 5, 28. मृगशृङ्गपरिग्रहा (तनु) RAGH. 9, 17. वस्तिः सिराम्नागुपरि-ग्रहः Suçr. 1, 264, 3. (धनानि) वाङ्कामात्रपरिग्रहाणि die man nur insofern besitzt (oder auf die man nur insofern Ansprüche hat; vgl. 15), als man sie sich wünscht, BARTH. 3, 14. — 8) das Aufnehmen einer Person (in sein Haus, seine Gesellschaft) PRAVARADHJ. in Verz. d. B. H. 59, 35. M. 11, 196. MBH. 1, 1867. 7218. R. GORR. 1, 46, 28. 5, 90, 15. PRAB. 108, 8. condr. derjenige, der Jmd aufnimmt: मार्गमाणा परिग्रहम् R. GORR. 1, 46, 26. — 9) das Heimführen (bei-der-Hand-Fassen) eines Weibes, Heirath; condr. Weib, Gattin (H. 513. H. an. MED.): क्वा दार्य-परिग्रहम् M. 9, 326. KATHĀS. 6, 71. 35, 89. MĀRK. P. 75, 14. AK. 2, 7, 55. डुकितुः RAGH. 11, 49. सूनवो नवत्रयपरिग्रहाः 35. तस्मिन्नकृतश्रीपरिग्रहे 12, 16. यथा बोधं न वतव्यं पुंसां परपरिग्रहे M. 9, 42. 43. 5, 162. पद्मा ना-रायणपरिग्रहः MBH. 4, 186. HARIV. 184. ÇĀK. 21. 68. 124. 127. RAGH. 11, 33. Bhāg. P. 7, 7, 8. KĀURAB. 39. अ° KUMĀRAS. 1, 54. KATHĀS. 33, 37. स° RAGH. 1, 92. सपत्नपरिग्रहान् 9, 14. In den folgenden Stellen ist परिग्रह collectivisch gebraucht und steht daher im sg.: सुतनुश्च नराचो च शौर-रास्तौ परिग्रहः HARIV. 9201. 208. Vgl. weiter unten u. 17. — 10) das Erwählen, Aussuchen: विनेतुरद्रव्यपरिग्रहे ऽपि बुद्धिलाघवं प्रकाशयति MĀLAY. 14, 23. वृत्तमूलेषु कृतवामपरिग्रहाः MBH. 13, 713. R. 1, 36, 8. च-क्रुस्तत्रावासपरिग्रहम् R. GORR. 1, 37, 9. चक्रुर्वास्तुपरिग्रहम् HARIV. 6503. भौमो मुनेः स्थानपरिग्रहे ऽयम् RAGH. 13, 36. — 10) das Auffassen, Ver- stehen: स्त्रीलिङ्गनिर्देश आकारस्य स्त्रीविधकस्य परिग्रहार्थः dient dazu, dass man darunter das weibliche Geschlecht bezeichnende स्त्री ver- stehe, Schol. zu P. 7, 3, 46. 1, 2, 47. — 11) das Unternehmen, sich-Hñ- geben, sich-Unterziehen, Treiben: असत्कार्य° M. 12, 32. कर्म° R. 5, 81, 13. चैर° HARIV. 12304. संन्यासतपस्या° Schol. zu PRAB. 8, ÇI. 15. पूर्वपूर्वांस- भव (loc.) उत्तरोत्तरपरिग्रहे न तु वैकल्पिकः KULL. zu M. 11, 132. नहि गणयति नुद्दा जन्तुः परिग्रहफल्युताम् Spr. 728. — 12) Ehrenbezeugung, Gnadenerweisung, Gunstbezeugung, Gnade, Beistand MBH. 2, 523. 1290. 7, 3322. 13, 5366. HARIV. 3807. भर्तुश्च वंशस्य परिग्रहार्थम् R. 2, 68, 52 (70, 20 GORR.). सुधीवम् — भवान्परिग्रहेः प्राप्तैर्यथावदनुपश्यतु 4, 16, 52. नन्द-यन्सुहृदः सर्वान्सामदानपरिग्रहेः 22, 6. परचक्राभिधातश्च स्वदण्डस्य प- परिग्रहः KĀM. NĪTRIS. 13, 36. परिग्रहस्तु मित्राणाममित्राणां च नियतः 49. प्रशासति कृत्स्नसर्वानङ्गे बत्परिग्रहात् durch deine Gnade R. 4, 23, 5. न प्राप्तपूर्वं कल्प्याणं मया पतिपरिग्रहात्। आशंसितं मे मुचिरं त्वतो ऽपि प्राप्नुवामिति || so v. a. durch, vermittelt des Gatten R. GORR. 2, 18, 28. सप्तमे ऽरुनि निर्मासस्त्वगस्थिभूतः केवलं सोमपरिग्रहोदवोच्छ्रुसिति Suçr. 2, 166, 2. बत्परिग्रहे ऽपि मे वृद्धिकेतुः MĀLAY. 22, 13. अतिमात्रामसुरवं